PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

National Duniya, New Delhi
Tuesday, 11th September 2012, Page: 9
Width: 7.92 cms Height: 7.79 cms, Ref: pmin.2012-09-11.62.87

महज डेढ़ रुपए के एक स्ट्रिप से होगा नकली दवा के खिलाफ युद्ध

नई दिल्ली। भारत सरकार जल्द ही विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ मिल कर नकली एवं दोयम दर्जे की दवाओं के खिलाफ 'युद्ध' शुरू करेगी। दिल्ली में सोमवार को हुए एक वर्कशॉप में इसका बिगुल फूंका गया। जल्द ही इस अभियान का ब्लूप्रिंट बन कर तैयार हो रहा है। यह युद्ध महज डेढ़ रुपए के स्ट्रिप से लड़ी जाएगी। इस वर्कशॉप में यह तय हुआ कि देश में प्रोद्योगिकी के जरिए नकली दवा के संकट से निपटा जाएगा। इसके लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन एंवं पार्टनरशिप फॉर सेफ मेडिसिन इंडिया नामक संगठन के बीच एक करार ने आकार लिया है जिसे मील का पत्थर माना जा रहा है। इस वर्कशॉप में उन तकनीकों को शोकेस किया गया जिनके जरिए इस संकट पर काबू पांया जा सकेगा। वर्कशॉप का विषय था- मरीजों की सुरक्षा एवं दवा जांच प्रौद्योगिकी। इस वर्कशॉप में पार्टनरशिप फॉर सेफ मेडिसिन (पीएसएम) के संस्थापक निदेशक बीजॉन मिश्रा, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पीके प्रधान, स्वास्थ्य मामलों के महानिदेशक जगदीश प्रसाद, नेशनल फर्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी के चेयरमैन सी. पी. सिंह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव डॉ. अरुण कुमार पांडा आदि ने भाग लिया।